

बांदीपुर टाइगर रजिस्ट्रेशन

स्रोत: द हंडू

हाल ही में, सरकार ने बेलाडाकुप्पे श्री महादेशवरस्वामी मंदिर, जो [बांदीपुर टाइगर रजिस्ट्रेशन](#) (BTR) के मुख्य क्षेत्र में है, की वार्षिक जातरा (कार्तिक माह का अंतमि सोमवार) पर प्रतिबिंध लगा दिया है।

- यह मंदिर बांदीपुर टाइगर रजिस्ट्रेशन की हेडिंगला रेंज में स्थिति है, जो वन्यजीवों के लिये संरक्षित क्षेत्र है।
- बाघ रजिस्ट्रेशनों का गठन कोर और बफर संरक्षण पद्धतिका उपयोग करके किया जाता है।
 - मुख्य क्षेत्र सभी प्रकार के मानवीय उपयोग से मुक्त है, जबकि बफर क्षेत्र में संरक्षणोन्मुख भूमिउपयोग है।
- बांदीपुर टाइगर रजिस्ट्रेशन (कर्नाटक) के बारे में:
 - बांदीपुर टाइगर रजिस्ट्रेशन [पश्चामी घाट](#) परद्विश्य का एक प्रमुख क्षेत्र है, जहाँ वशिव की बाघ आबादी का 1/8वाँ हस्तिसा रहता है।
 - यह बांदीपुर, नागरहोल, वायनाड, मुदुमलाई और सत्यमंगलम टाइगर इस क्षेत्र का हस्तिसा है, जो कर्नाटक, तमिलनाडु तथा केरल तक फैला हुआ है।
 - यह [नीलगिरि बायोस्फीयर रजिस्ट्रेशन](#) का एक महत्वपूर्ण हस्तिसा है, जो भारत का पहला बायोस्फीयर रजिस्ट्रेशन (1986) है।
 - यह रजिस्ट्रेशन मैसूर एलीफेंट रजिस्ट्रेशन का एक हस्तिसा है, जो एशियाई हाथरियों की वशिव की सबसे बड़ी आबादी है।

II

बाघ अभ्यारण्य

53 बाघ अभ्यारण्य

अगस्त 2022 तक



तथ्य

- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की सिफारिश पर राज्य सरकार किसी क्षेत्र को बाघ अभ्यारण्य/टाइगर रिझर्व के रूप में अधिसूचित कर सकती है।
- सबसे बड़ा बाघ अभ्यारण्य (कोर क्षेत्र): नागर्जुनसागर श्रीशैलम (आंध्रप्रदेश)
- सबसे छोटा बाघ अभ्यारण्य: ओरंग (असम)
- सर्वाधिक बाघ घनत्व वाला अभ्यारण्य: कॉर्वेट (उत्तराखण्ड) (अखिल भारतीय बाघ अनुमान 2018)
- सर्वाधिक बाघ आवादी वाला राज्य: मध्य प्रदेश (अखिल भारतीय बाघ अनुमान 2018)



और पढ़ें: [प्रोजेक्ट टाइगर](#)